पश्चिम रेल मुख्यालय की इमारत है अतीत की धरोहर
आइये, इसके कुछ अलग पहलुओं पर डालें नज़र!

विशेष फोटो फीचर

वर्ष 1899 में बनकर पूर्ण हुई चर्चगेट स्थित ऐतिहासिक इमारत 5 नवम्बर, 1951 को पश्चिम रेलवे के गठन के पश्चात निरंतर इसके प्रधान कार्यालय के रूप में प्रयुक्त होती आई है। पश्चिम रेलवे की हीरक जयंती के महत्त्वपूर्ण अवसर पर हम इस भव्य इमारत की विभिन्न तस्वीरों पर एक विशेष फोटो फीचर पेश कर रहे हैं, जिसमें हमारे मुख्य फोटोग्राफर श्री सुनील गाडगील द्वारा ली गई कुछ अलग मिजाज़ की तस्वीरें शामिल की गई हैं। इनमें इस ऐतिहासिक इमारत की छत से नीचे के परिसर का नज़ारा, चर्चगेट स्टेशन भवन के साथ मुख्यालय के एक हिस्से का दृश्य, मुख्य बरामदे का मुख्य प्रवेश द्वार, आकर्षक झूमर तथा इंडो-सारासीनिक वास्तुकला के अंतर्गत निर्मित सुन्दर मूर्तियाँ और वास्तुशिल्पीय कलाकृतियाँ तो सम्मिलित हैं ही, लेकिन अंतिम पंक्ति में शामिल छायाचित्र खासतौर पर काबिले गौर हैं, जिनमें इस ऐतिहासिक धरोहर की दीवारों पर अंकित विभिन्न पशु-पक्षियों की भाव-भंगिमाएँ सचमुच बहुत कुछ कह रही हैं। पहली तस्वीर में अपने बच्चे को चुग्गा खिलाते परिंदे का ममता भरा नज़ारा है, तो अन्य तस्वीरों में पक्षीराज गरुड, माँ लक्ष्मी के वाहन उल्लू, वनराज शेर और नटखट खरगोश सहित विभिन्न प्राणियों की अदाएँ उकेर कर वास्तुशिल्प कला को अधिकाधिक मनमोहक और सजीव बनाया गया है। हमें आशा है कि अपनी ऐतिहासिक इमारत के इन अपेक्षाकृत अंजान पहलुओं से सबको वाकिफ कराने की हमारी यह अनूठी पहल आप सभी पाठकों को ज़रूर पसंद आयेगी।